Table of Contents

1. [illegible]
2. [illegible]
3. [illegible]
4. [illegible]

[illegible]

[illegible] [illegible] '[illegible]' [illegible] [illegible] 28 [illegible] 1896 [illegible] [illegible] ([illegible]) [illegible] [illegible] [illegible]

- स्वराज आंदोलन में सक्रिय भागीदारी
- साहित्य अकादमी, ज्ञानपीठ और सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार प्राप्त
- शायरी में लोकजीवन, प्रकृति और सामाजिक विषयों का समावेश
- उर्दू शायरी में संवादात्मक शैली का प्रयोग
- भाषा में हिंदी, उर्दू और लोकभाषा का अद्भुत मिश्रण

पाठ्य प्रमाण / उदाहरण

"अब तुमसे रुख़्सत होता हूँ आओ सँभालो साज़े-ग़ज़ल / नए तराने छेड़ो / मेरे नग़्मों को नींद आती है।"

"दिव्यता भौतिकता से पृथक वस्तु नहीं है। जिसे हम भौतिक कहते हैं वही दिव्य भी है।"

Prepzy

हल किए गए उदाहरण

फिराक़ की शायरी में लोकजीवन के तत्व कैसे प्रकट होते हैं? उदाहरण सहित समझाइए।

उत्तर: फिराक़ की शायरी में लोकजीवन के तत्व जैसे बच्चों के खेल, त्योहार, और पारिवारिक संबंध सहज भाषा में प्रस्तुत हैं। उदाहरण के लिए, "मुझे चाँद चाहिए", "मैया री, मैं चंद खिलौना लैहों" जैसी पंक्तियाँ बच्चों की सरल और स्वाभाविक भावनाओं को दर्शाती हैं।

अभ्यास प्रश्न

- स्तर **1 –** सरल**:** फिराक़ गोरखपुरी का जन्म कब और कहाँ हुआ था?
- स्तर **2 –** मध्यम **:** फिराक़ की शायरी में लोकजीवन के कौन-कौन से पक्ष उभरते हैं?
- स्तर **3 –** कठिन **:** फिराक़ की शायरी में सामाजिक दुख-दर्द और आशा की भावना का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर कुंजी

- [illegible] [illegible] [illegible] 28 [illegible] 1896 [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
- [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible], [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
- [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible]

- [illegible] – [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
- [illegible] – [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
- [illegible] – [illegible]
- [illegible] – [illegible] [illegible] [illegible]
- [illegible] – [illegible]

फिराक़ ने अपनी शायरी में परंपरागत भावबोध को नयी भाषा और विषयों से जोड़ा। उनकी शायरी में इंसान के हाथों इंसान पर होने वाली पीड़ा की सच्चाई और भविष्य की आशा दोनों व्यक्त होती हैं। उन्होंने भारतीय संस्कृति और लोकभाषा के प्रतीकों का उपयोग कर अपनी शायरी को विशिष्ट बनाया।

उनकी शायरी संवादात्मक शैली में होती है, जो आम आदमी से सीधे संवाद करती है। प्रकृति, मौसम और भौतिक जगत के सौंदर्य को उन्होंने शायरी का विषय बनाया और कहा कि दिव्यता भौतिकता से अलग नहीं है।

मुख्य बिंदु

- परंपरागत और आधुनिक भावों का समन्वय
- सामाजिक और व्यक्तिगत पीड़ा का चित्रण
- संवादात्मक शैली में शायरी
- प्रकृति और भौतिक जगत का सौंदर्य
- भारतीय संस्कृति और लोकभाषा के प्रतीकों का प्रयोग

पाठ्य प्रमाण / उदाहरण

"शेर लिखे नहीं जाते, कहे जाते हैं।"

"दिव्यता भौतिकता से पृथक वस्तु नहीं है।"

हल किए गए उदाहरण

फिराक़ की शायरी में संवादात्मक शैली का क्या महत्व है? समझाइए।

उत्तर: संवादात्मक शैली से शायरी आम आदमी की भाषा में होती है, जिससे वह सीधे पाठक से जुड़ती है। यह शैली शायरी को जीवंत और प्रभावशाली बनाती है।

Prepzy

अभ्यास प्रश्न

- स्तर **1 – सरल:** फिराक़ की शायरी में किस भाषा का मिश्रण मिलता है ?
- स्तर **2 – मध्यम :** फिराक़ ने शायरी में किस प्रकार की सामाजिक पीड़ा को व्यक्त किया है ?
- स्तर **3 – कठिन :** फिराक़ की शायरी में प्रकृति और भौतिकता के संबंध पर चर्चा कीजिए।

उत्तर कुंजी

- फिराक़ की शायरी में हिंदी, उर्दू और लोकभाषा का मिश्रण मिलता है।
- उन्होंने सामाजिक दुख-दर्द को व्यक्तिगत अनुभूति के रूप में प्रस्तुत किया है।
- फिराक़ के अनुसार, दिव्यता और भौतिकता अलग नहीं हैं; भौतिक वस्तुएं भी दिव्य हो सकती हैं।

त्वरित संदर्भ

फिराक़ की शायरी में संवाद और लोकभाषा का समन्वय प्रमुख है।

Prepzy

शब्दावली

- संवादात्मक – बातचीत जैसा
- लाक्षणिक – प्रतीकात्मक
- दिव्यता – पवित्रता या आध्यात्मिकता
- भौतिकता – भौतिक जगत से संबंधित

फिराक़ गोरखपुरी की रुबाइयाँ

फिराक़ की रुबाइयाँ सरल, सहज और भावपूर्ण हैं। उनकी भाषा में हिंदी का घरेलू रूप स्पष्ट दिखाई देता है। रुबाइयों में बच्चों की मासूमियत, परिवार के स्नेह और त्योहारों की झलक मिलती है। उनकी रुबाइयाँ लोकभाषा और हिंदी-उर्दू के मिश्रण से बनी हैं, जो पाठकों को भावनात्मक रूप से जोड़ती हैं।

मुख्य बिंदु

- सरल और सहज भाषा
- बच्चों की मासूमियत और परिवार का स्नेह
- त्योहारों और लोकजीवन का चित्रण
- हिंदी, उर्दू और लोकभाषा का मिश्रण

पाठ्य प्रमाण / उदाहरण

"आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी / हाथों पे झुलाती है उसे गोद-भरी। / रह-रह के हवा में जो लोका देती है, / गूँज उठती है खिलखिलाते बच्चे की हँसी॥"

"रक्षाबंधन की सुबह रस की पुतली, / छायी है घटा गगन की हल्की-हल्की। / बिजली की तरह चमक रहे हैं लच्छे, / भाई के है बाँधती चमकती राखी॥"

Prepzy

हल किए गए उदाहरण

फिराक़ की रुबाइयों में बच्चों की भावनाओं का वर्णन कैसे किया गया है? उदाहरण सहित समझाइए।

उत्तर: फिराक़ की रुबाइयों में बच्चों की मासूमियत और स्नेह को सरल भाषा में प्रस्तुत किया गया है। जैसे "आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी" पंक्ति में बच्चे की खुशी और माँ का स्नेह झलकता है।

अभ्यास प्रश्न

- स्तर **1 –** सरल**:** फिराक़ की रुबाइयों की भाषा कैसी है?
- स्तर **2 –** मध्यम **:** रुबाइयों में कौन-कौन से विषय प्रमुख हैं?
- स्तर **3 –** कठिन **:** फिराक़ की रुबाइयों में लोकभाषा और हिंदी-उर्दू मिश्रण का महत्व बताइए।

[illegible]

- [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
- [illegible] [illegible], [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
- [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible]

- [illegible] – [illegible] [illegible] [illegible]
- [illegible] – [illegible], [illegible]
- [illegible] – [illegible] [illegible] [illegible]
- [illegible] – [illegible], [illegible]

Prepzy

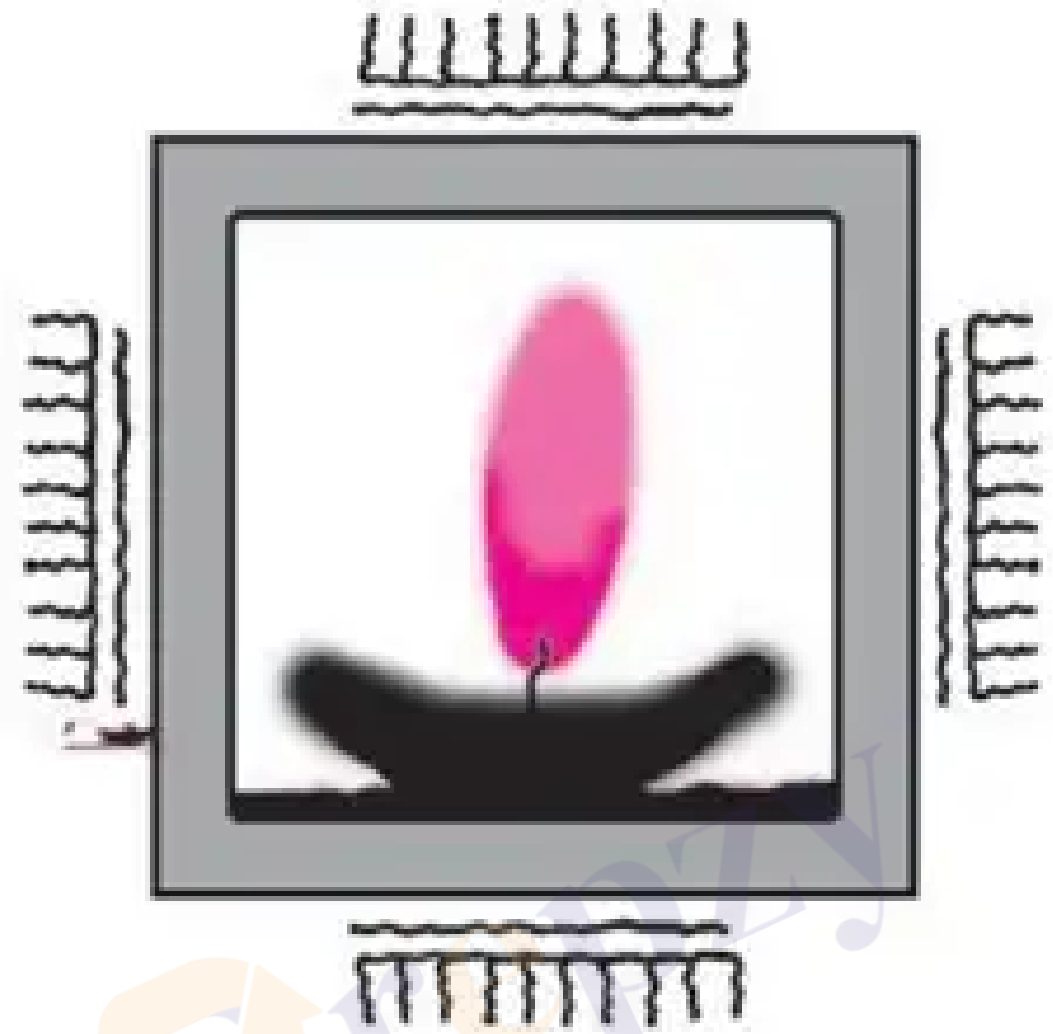

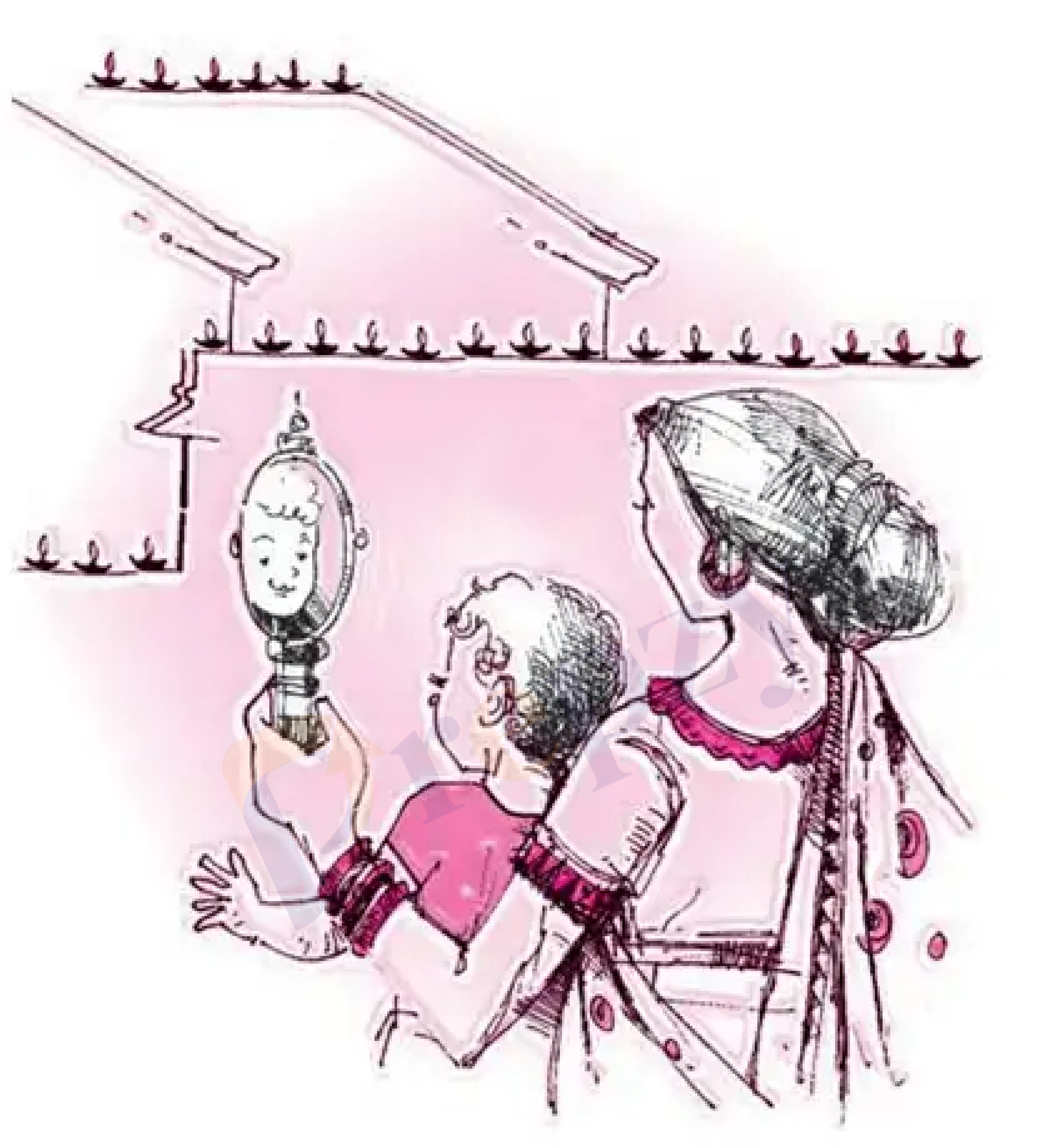

[illegible]-[illegible]

[illegible]-[illegible] [illegible], [illegible] [illegible]-[illegible] [illegible]:

- [illegible] – [illegible]-[illegible]
- [illegible] – [illegible]

- शब – रात
- रूपवती मुखड़ा – सुंदर चेहरा
- रस की पुतली – प्यारी बच्ची

मुख्य बिंदु

- शब्द-छवि से भावों की अभिव्यक्ति
- हिंदी, उर्दू और लोकभाषा का मिश्रण
- साधारण शब्दों में गहन अर्थ

पाठ्य प्रमाण / उदाहरण

"लोका देना, घुटनियों में लेकर कपड़े पिन्हाना, रूपवती मुखड़ा, नर्म दमक, जिद्दियाँ बालक, रस की पुतली।"

हल किए गए उदाहरण

शब्द-छवि का क्या अर्थ है और फिराक़ की शायरी में इसका क्या महत्व है? समझाइए।

उत्तर: शब्द-छवि का अर्थ है शब्दों के माध्यम से मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक चित्र बनाना। फिराक़ की शायरी में यह भावों को गहराई से व्यक्त करने में सहायक है।

अभ्यास प्रश्न

- स्तर **1 – सरल:** "लोका देना" का क्या अर्थ है?
- स्तर **2 – मध्यम :** फिराक़ की शायरी में शब्द-छवि का क्या महत्व है?
- स्तर **3 – कठिन :** फिराक़ की शायरी में हिंदी, उर्दू और लोकभाषा के मिश्रण का वर्णन कीजिए।

उत्तर कुंजी

- "लोका देना" का अर्थ है उछाल-उछाल कर प्यार करना।
- शब्द-छवि से भावों की गहरी अभिव्यक्ति होती है।
- हिंदी, उर्दू और लोकभाषा का मिश्रण शायरी को सांस्कृतिक और भावनात्मक रूप से समृद्ध बनाता है।

त्वरित संदर्भ

शब्द-छवि से शायरी में भावों की गहराई आती है।

शब्दावली

- शब्द-छवि – शब्दों द्वारा चित्रण
- मनोवैज्ञानिक – मानसिक भावों से संबंधित
- भावनात्मक – भावना से जुड़ा

Prepzy